शनिवार, 31 जनवरी, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08



हरियाणा की लड़की पर आया दिल और कर लिया निकाह

Page-04

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

धुरंधर- 2 का पहला पोस्टर रिलीज़ डेट का खुलासा

Page-05



अजित पवार की पत्नी को डिप्टी सीएम बनाने की मांग

NCP नेताओं ने की फडणवीस से भेंट

अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम बन सकती हैं। पार्टी के नेता छगन भुजबल ने शुक्रवार को बताया, 'पार्टी के विधायक दल की बैठक कल होगी।

सुनेत्रा के नाम पर चर्चा हो रही है। अगर कल कोई फैसला होता है, तो शपथ ग्रहण समारोह कल ही होगा।'

अजित की प्लेन क्रैश में मौत के बाद उप मुख्यमंत्री पद खाली हो गया है। यह पद पत्नी को दिए जाने, NCP के दोनों गुट के विलय और विभागों के बंटवारे को लेकर अटकलें जारी हैं।

इन्हीं मांगों को लेकर आज NCP के नेता CM देवेंद्र फडणवीस से मिलने उनके घर वर्षा बंगले पहुंचे। इसमें प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, सुनील तटकरे शामिल हुए। मीटिंग आधे घंटे तक चली। महाराष्ट्र सरकार में अजित के पास वित्त, आबकारी और खेल विभाग के साथ-साथ डिप्टी चीफ मिनिस्टर का पद भी था। NCP नेताओं में इस बात पर चर्चा चल रही है कि ये विभाग और पार्टी की नेशनल लीडरशिप किसे दी जाए। यह दावा भी किया जा रहा है कि अजित पवार NCP के दोनों गुट के जिस मर्जर पर बातचीत कर रहे थे, उस पर आखिरी फैसला शरद पवार लेंगे।



अचानक फूट गया बुलबुला... 85,000 रूपये सस्ती



शुकवार, 3.30 बजे MCX पर मार्च वायदा के लिए 1 किलो चांदी की कीमत करीब 65000 रूपये गिरकर 3,35,001 रूपये पर पहुंच गई थी, लेकिन गुरूवार की शाम को चांदी कीमत बढ़कर 4,20,048 रूपये अपने ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गई थी. इस हिसाब से देखें तो 24 घंटे में ही चांदी के भाव (Silver Price) में करीब 85,000 रूपये की गिरावट आई है. इसी तरह, सोने की कीमत में भी भारी गिरावट आई है. सोना 29 जनवरी, गुरूवार को अपने रिकॉर्ड स्तर 1,93,096 रूपये पर था, लेकिन शुक्रवार को यह 16000 रूपये टूटकर 1,67,406 रूपये पर आ गया. यानी 24 घंटे के दौरान सोने में 25,500 रूपये की गिरावट आई है.

शेयर बाजार में हाहाकार! सेंसेक्स 450 अंक लुढ़ककर



भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को कमजोर ग्लोबल संकेतों के बीच गिरावट के साथ खुला. सुबह 9:19 बजे सेंसेक्स 444 अंक या 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 82,100 के स्तर पर था. वहीं निफ्टी 157 अंक या 0.62 प्रतिशत नीचे 25,261 पर कारोबार कर रहा था. बता दें कि शुरूआती कारोबार में मेटल और कमोडिटी स्टॉक्स में सबसे ज्यादा बिकवाली देखी गई. वहीं निफ्टी मेटल और निफ्टी कमोडिटी इंडेक्स टॉप लूजर्स रहे. IT, मीडिया, एनर्जी, PSE, रियल्टी, पीएसयू बैंक और डिफेंस इंडेक्स भी लाल निशान में थे. केवल हेल्थकेयर, फार्मा और FMCG सेक्टर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे.

budget 2026

‘रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म...’,

पीएम मोदी ने देश को दिया ये मजबूत संदेश

पीएम मोदी ने देश को दिया ये मजबूत संदेश

केंद्रीय बजट 2026-27 से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद परिसर में मीडिया को संबोधित कर देश को एक मजबूत और प्रेरक संदेश दिया. 1 फरवरी को पेश होने वाले बजट (budget session 2026) और आज संसद में रखे जाने वाले आर्थिक सर्वेक्षण 2026-27 के बीच यह संबोधन काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. PM मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि कल राष्ट्रपति का अभिभाषण 140 करोड़ देशवासियों के आत्मविश्वास और पुरुषार्थ की सशक्त अभिव्यक्ति था. राष्ट्रपति के भाषण में 140 करोड़ नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं की आकांक्षाओं को बेहद सटीक तरीके से रेखांकित किया गया.प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का ध्यान बजट की ओर स्वाभाविक है लेकिन इस सरकार की पहचान हमेशा ‘रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म’ रही है.

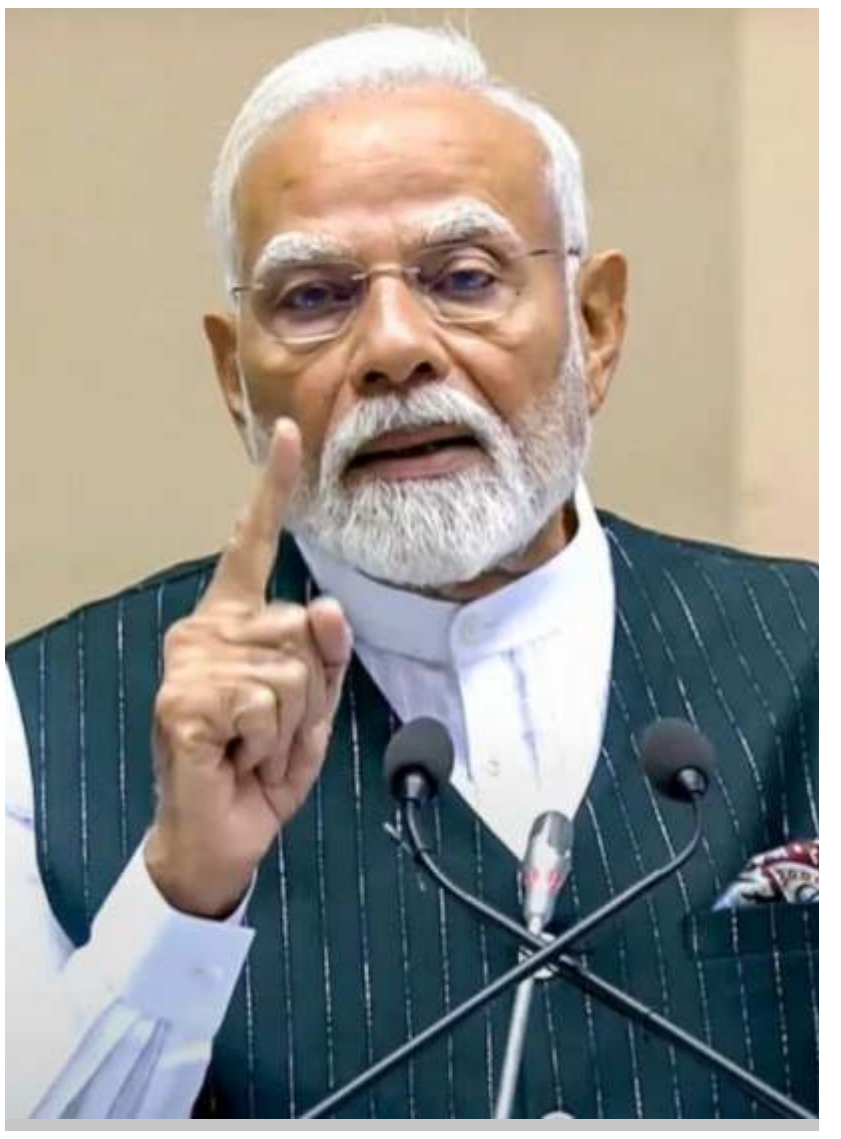

असमिया पटका विवाद पर अमित शाह का राहुल गांधी पर तंज



राष्ट्रपति भवन में आयोजित ‘एट होम’कार्यक्रम के दौरान उपजा गमछा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस समय असम दौरे पर हैं. इस दौरान उन्होंने डिब्रूगढ़ में नए असम विधानसभा भवन की नींव रखी. हालांकि रैली को संबोधित करते हुए शाह ने राहुल गांधी के गमछा विवाद को एक बार फिर उजागर किया. उन्होंने कहा कि ‘पूरी दुनिया में, असम और उत्तर-पूर्व के विभिन्न सांस्कृतिक गमछे हमारी उत्तर-पूर्वी संस्कृति के प्रति सम्मान के प्रतीक हैं. राष्ट्रपति के यहां आयोजित कार्यक्रम में सबने असमिया गमछा पहना लेकिन एक व्यक्ति ऐसा था जिसने इस गमछे को नहीं पहना और वो हैं राहुल गांधी. अमित शाह मे कहा कि पूरी दुनिया में, असम और उत्तर-पूर्व के विभिन्न सांस्कृतिक गमछे हमारी उत्तर-पूर्वी संस्कृति के प्रति सम्मान के प्रतीक हैं. 26 जनवरी को ऐट होम प्रोग्राम के दौरान, राष्ट्रपति ने सबको उत्तर-पूर्वी गमछे पहनाए.

महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि

राष्ट्रपति, पीएम मोदी समेत अन्य ने बापू को दी श्रद्धांजलि

आज पूरा देश राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी 78वीं पुण्यतिथि पर याद कर रहा है. शुक्रवार सुबह दिल्ली के राजघाट पर एक अलग ही गरिमापूर्ण माहौल देखने को मिला, जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बापू की समाधि पर जाकर उन्हें पुष्प अर्पित किए.

इस मौके पर राजनीति के कई बड़े चेहरे भी बापू को नमन करने पहुंचे. प्रधानमंत्री के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और मनोहर लाल जैसे दिग्गज नेताओं ने भी राजघाट पर मौन रखकर बापू के महान संघर्षों और उनके सिद्धांतों को याद किया. इतना ही नहीं पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X के जरिए देशवासियों से अपने दिल की बात साझा की. उन्होंने कहा कि बापू का ‘स्वदेशी’ पर जो जोर था, वही आज के ‘आत्मनिर्भर भारत’ के संकल्प की असली नींव है. प्रधानमंत्री ने लिखा- “राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर मेरा शत-शत नमन. पूज्य बापू का हमेशा स्वदेशी पर बल रहा, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के हमारे संकल्प का भी आधारस्तंभ है. उनका व्यक्तित्व और कृतित्व देशवासियों को कर्तव्य पथ पर चलने के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा.”



ग्राफ़िक झरोखा



PM कुर्सी की दौड़:

ओली बनाम बालेन शाह, अस्थिर राजनीति जारी

आयोग के सहायक प्रवक्ता प्रकाश न्याउपाने ने एएफपी को बताया, और कहा कि रसद, प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्थाएं योजना के अनुसार आगे बढ़ रही हैं। वरिष्ठ नेता केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के बाद 3 करोड़ लोगों के देश का मार्गदर्शन करने के लिए एक अंतरिम सरकार के गठन के बाद चुनाव कराए गए थे।



नेपाल के चुनाव आयोग ने बुधवार (28 जनवरी) को कहा कि वह योजना के अनुसार चुनाव कराने के लिए तैयार है, हालांकि 5 मार्च को होने वाले मतदान के दौरान हिमालय के उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मौसम की स्थिति को लेकर चिंताएं हैं। सितंबर में हुए हिंसक भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के बाद ये चुनाव हो रहे हैं, जिन्होंने पिछली सरकार को गिरा दिया था। इन प्रदर्शनों के चलते चुनाव की प्रक्रिया तेज कर दी गई और मतदान के लिए साल के शुरुआती दौर में एक असामान्य तारीख तय की गई। आज की तारीख में, हम सभी स्थानों पर चुनाव कराने के लिए तैयार हैं। आयोग के सहायक प्रवक्ता प्रकाश न्याउपाने ने एएफपी को बताया, और कहा कि रसद, प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्थाएं योजना के अनुसार आगे बढ़ रही हैं। वरिष्ठ नेता केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के बाद 3 करोड़ लोगों के देश का मार्गदर्शन करने के लिए एक अंतरिम सरकार के गठन के बाद चुनाव कराए गए थे। संविधान लागू होने के मात्र 18 साल में हमारे देश ने 16 प्रधानमंत्री देख लिए। यानी देश में राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है। जेन जी आंदोलन से आरएसपी में उभरी, लेकिन इनके दोनों प्रमुख नेताओं बालेंद्र शाह और रवि लामिछाने के चाल, चरित्र की कहानियां खूब हैं। दूसरी बात, कांग्रेस ने 79 साल के देउबा को हटाकर 49 साल के गगन थापा को अध्यक्ष बनाया है। थापा ने कभी जेन जी आंदोलन की आलोचना नहीं की, बल्कि इसके लिए उन्होंने सरकार की नाकामियों को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं, ओली की एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी पार्टी (यूएमएल) भले ही लोकप्रियता के संकट से जूझ रही हो, लेकिन वह नेपाल की सबसे बड़ी सांगठनिक क्षमता वाली पार्टी है। इसके पास 10 लाख कार्यकर्ता है। उसकी पैठ मधेश से लेकर पहाड़ तक समान है। यानी तीन तरह के संगठन हैं, तीनों की ही दावेदारी है, लेकिन युवा वोट बंटा हुआ है।

युवा होटल व्यवसायी नवराज गिरी का कहना है कि हमें अब पुराने-बूढ़े नेता नहीं चाहिए। भारत से उम्मीदें बढ़ी हैं। युवाओं को समझ आने लगा है कि चीन उनके लिए दूर की कौड़ी है, जबकि भारत के साथ जुड़कर उनकी अंतरराष्ट्रीय ताकत भी बढ़ेगी। काठमांडू महाविद्यालय के शिक्षक रवि राज बराल कहते हैं कि इस समय आरएसपी को लेकर नेपाल में कुछ वैसा ही माहौल है जैसा एक समय दिल्ली में आम आदमी

AI से बायोलॉजिकल हथियार की संभावना, टॉप कंपनी के CEO ने चेताया



आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी AI इंसानों के लिए टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सबसे बड़ी उपलब्धि है या फिर सबसे बड़ी गलती? हर गुजरते वक्त के साथ यह सवाल और इसका जवाब अहम होता जा रहा है. एक बाद एक ऐसे खुलासे हो रहे हैं जो डराते हैं. दुनिया में AI की टॉप कंपनियों में से एक के प्रमुख ने चेतावनी दी है कि अब AI सिस्टम इतने एडवांस लेबल तक पहुंच गए हैं कि अगर उनका दुरुपयोग किया गया तो वे मानवता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं. एंथ्रोपिक कंपनी के CEO डारियो अमोदेई ने दावा किया है कि एडवांस AI मॉडल में या तो पहले से ही जैविक हथियार (बायोलॉजिकल वेपन) बनाने में मदद के लिए आवश्यक ज्ञान है या वो तेजी से उस ओर आगे बढ़ रहा है. डारियो अमोदेई ने अपने आर्टिकल में लिखा है," उच्च स्तर पर, मुझे चिंता है कि लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLMs) शुरू से अंत तक (जैविक हथियार) बनाने और उन्हें रिलीज करने के लिए आवश्यक ज्ञान के करीब पहुंच रहे हैं (या पहले ही पहुंच चुके हैं), और विनाश की उनकी क्षमता बहुत अधिक है." गौरतलब है कि लार्ज लैंग्वेज मॉडल एक प्रकार का AI डीप लर्निंग एल्गोरिदम है. डारियो अमोदेई की कंपनी एंथ्रोपिक OpenAI, गूगल डीपमाइंड और मेटा के साथ A I क्षेत्र में सबसे प्रभावशाली कंपनियों में से एक है.



विश्वखबरम: यूक्रेन पर हमलों पर मेरे विचार से पुतिन, डोनाल्ड ट्रंप ने किया बड़ा दावा

यूक्रेन पर रात भर रूस ने किए हवाई हमले, डोनेट्स्क पर कब्जे को लेकर नहीं बन रही सहमति

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक साथ कई देशों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. एक तरफ ट्रंप की धमकी के बाद ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमले का खतरा मंडरा रहा है. ऐसे में ईरान के विदेश मंत्री, अब्बास अराघची अमेरिकी हमले को रोकने के उद्देश्य से वार्ता के लिए तुर्की की राजधानी अंकारा की यात्रा करेंगे. तुर्की तेहरान को यह समझाने की कोशिश कर रहा है कि अगर संभावित जंग टालनी है तो उसे अमेरिका को अपने परमाणु कार्यक्रम पर रियायतें देनी होंगी. ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि उन्हें ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की जरूरत नहीं पड़ेगी. दूसरी तरफ ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश (एक्जिक्यूटिव ऑर्डर) पर हस्ताक्षर किए हैं जिसमें उन्होंने क्यूबा को तेल बेचने वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी है.

ट्रंप ने कनाडा को भी निशाने पर ले लिया है. ट्रंप ने कहा है कि जब तक कनाडा अमेरिका में बने गल्फस्ट्रीम प्लेन्स को मंजूरी नहीं देता, तब तक अमेरिका बॉम्बार्डियर जेट और अन्य



कनाडाई विमान अपना सर्टिफिकेशन खो देंगे. यानी कनाडा के प्लेन अमेरिका में नहीं उड़ेंगे. इतना ही नहीं अमेरिका को बेचे जाने वाले कनाडाई प्लेन पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की भी धमकी दी गई है. हम आपके लिए लेकर आए हैं दुनिया की खबरों का यह लाइव ब्लॉग जहां आपको पूरी दुनिया में क्या कुछ हो रहा है, इसकी खबर एक साथ देंगे, तुरंत देंगे. पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से लेकर दूर देश अमेरिका तक, हर बड़ी ब्रेकिंग खबर और उसकी एनालिसिस पढ़ने के लिए हमारे साथ बने रहे.

पीयूष गोयल ने बताया भारत का अगला कदम, अमेरिका-कनाडा पर फोकस

भारत द्वारा यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत पूरी करने के कुछ दिनों बाद, जिसे 'सभी समझौतों की जननी' कहा जा रहा है, भारत अब संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एफटीए और अन्य देशों के साथ इसी तरह के समझौतों को अंतिम रूप देने की दिशा में अग्रसर है। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में आगामी अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों के बारे में बात करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, प्रत्येक समझौता, प्रत्येक एफटीए, अपने आप में महत्वपूर्ण है, और भारत अपने निर्णय लाभ और हानियों के अपने आकलन के आधार पर लेता है। कोई भी समझौता किसी अन्य समझौते पर निर्भर नहीं है, न ही कोई समझौता किसी समय सीमा के अनुसार किया जाता है... कई देशों के साथ सार्थक चर्चा चल रही है। मैं आपको पूर्ण विश्वास के साथ आश्वस्त कर सकता हूं कि भारत अपने हितों की रक्षा करते हुए नए बाजार खोलेगा। यह अपने निर्यातकों के लिए अधिक अवसर प्रदान करने के लिए नए समझौते करना जारी रखेगा, और साथ ही, हमारे किसानों, मछुआरों, पशुपालकों और लघु उद्योगों के हितों की रक्षा करेगा। हम चिली में चल रही बातचीत के काफी उन्नत चरण में हैं, और कनाडा और अमेरिका के साथ भी हमारी बातचीत जारी है। उन्होंने आगे कहा, "हम खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों के साथ भी बहुत जल्द बातचीत शुरू करेंगे। गोयल ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को एक ऐतिहासिक समझौता बताया, जो भारत को अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीति में उच्च स्थान दिलाता है। एएनआई से एफटीए पर बात करते हुए गोयल ने जोर दिया कि यह समझौता सभी पक्षों के लिए लाभकारी है, जिससे आर्थिक विकास को गति मिलेगी और भारतीय व्यवसायों और नागरिकों के लिए नए अवसर पैदा होंगे। गोयल ने भारत के कपड़ा क्षेत्र के लिए एफटीए के संभावित लाभों पर प्रकाश डाला, जिससे निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। गोयल ने कहा कि यूरोपीय संघ और भारत के बीच यह एफटीए भारत को अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीति में उच्च स्थान दिलाता है।

सोनम वांगचुक को जोधपुर जेल के पानी से पेट दर्द, संक्रमण की बात कहकर पत्नी ने लगाई याचिका

कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने उन आरोपों का खंडन किया कि उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा था कि यदि लद्दाख के लोगों की मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे युद्ध के दौरान भारतीय सेना की मदद नहीं करेंगे या उन्होंने हिंदू देवी-देवताओं के बारे में अपमानजनक बातें कही थीं। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और पी बी वराले की पीठ के समक्ष यह दलील दी, जो राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत उनकी हिरासत को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर सुनवाई कर रही है। न्यायमूर्ति कुमार ने सिबल से कहा कि हिरासत में लेने वाले अधिकारियों ने एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दिए गए उनके साक्षात्कार का हवाला दिया है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि "किसी भी क्षेत्र को जनमत संग्रह के लिए जहां चाहे जाने की छूट है और यदि राज्य का दर्जा देने की मांग और भारतीय संविधान की छठी अनुसूची पूरी नहीं की जाती है, तो लद्दाख के लोग युद्धकाल में भारतीय सेना की



मदद नहीं करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की विशेषज्ञ डॉक्टर से मेडिकल जांच कराने का निर्देश दिया। वांगचुक ने पानी की खराब गुणवत्ता के कारण पेट से जुड़ी समस्याओं की शिकायत की थी। 59 वर्षीय सोनम वांगचुक इस समय जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। जस्टिस अरविंद कुमार की अगुवाई वाली बेंच ने जेल प्रशासन को यह भी निर्देश दिया कि वांगचुक की मेडिकल रिपोर्ट सोमवार तक सीलबंद लिफाफे में अदालत में पेश की जाए। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अदालत को बताया कि उन्हें साप्ताहिक जांच की सुविधा दी जाए और जो पानी हम उपलब्ध कराते हैं, वही उन्हें दिया जाए। इस पर राजस्थान सरकार के वकील ने कहा कि पिछले चार महीनों में जेल डॉक्टर उनकी 21 बार जांच कर चुके हैं।

संपादक की कलम से

चीन ने हाल ही में अंतरिक्ष में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) डेटा सेंटर स्थापित करने की योजना का ऐलान किया है। यह कदम देश की तकनीकी महत्वाकांक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़त हासिल करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। पिछले कई सालों में चीन ने धरती पर AI, क्वांटम कंप्यूटिंग और 5G नेटवर्क जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में काफी प्रगति की है। अब वह अपनी पकड़ को आकाश तक फैलाने की तैयारी में है।चीन के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के अनुसार, अंतरिक्ष में AI डेटा सेंटर स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य बड़े पैमाने पर डेटा प्रोसेसिंग, उच्च गति वाले नेटवर्क संचालन और सुरक्षा बढ़ाना है। अंतरिक्ष आधारित सेंटर को जमीनी सेंटरों के मुकाबले कई फायदे होंगे। सबसे पहला फायदा यह है कि अंतरिक्ष में डेटा सेंटर पृथ्वी की भौगोलिक और राजनीतिक सीमाओं से मुक्त होंगे। इसका मतलब है कि ये सेंटर किसी भी देश की भौगोलिक नीतियों से प्रभावित नहीं होंगे और पूरी तरह वैश्विक स्तर पर डेटा प्रोसेसिंग में इस्तेमाल किए जा सकते हैं।इसके अलावा, अंतरिक्ष में स्थित डेटा सेंटर को प्राकृतिक आपदाओं, जैसे बाढ़, भूकंप या तूफान से खतरा नहीं होगा। इससे डेटा की सुरक्षा और निरंतर संचालन सुनिश्चित किया जा सकेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि AI और बिग डेटा तकनीक के लिए उच्च गति वाले प्रोसेसिंग पॉवर की जरूरत होती है, और अंतरिक्ष आधारित सेंटर इसे उपलब्ध कराने में मदद करेंगे।चीन की यह योजना वैश्विक सुरक्षा और टेक्नोलॉजी प्रतिस्पर्धा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। अमेरिका, रूस और यूरोपीय देश पहले से ही अंतरिक्ष में सैन्य और तकनीकी उपग्रहों के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। चीन का यह कदम बताता है कि अब अंतरिक्ष केवल खगोल विज्ञान या संचार के लिए नहीं, बल्कि AI और डेटा सेंटर के लिए भी रणनीतिक प्लेटफॉर्म बनता जा रहा है।विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि अंतरिक्ष में AI डेटा सेंटर का प्रयोग धरती पर स्मार्ट शहरों, स्वचालित वाहनों, स्वास्थ्य सेवाओं और सैन्य तकनीक में भी किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यह सेंटर भू-उपग्रहों से जुड़ी जानकारी का रीयल टाइम प्रोसेसिंग कर सकते हैं, जिससे मौसम, प्राकृतिक आपदा प्रबंधन और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं खुलेंगी।हालांकि, इस योजना के साथ कई तकनीकी और आर्थिक चुनौतियां भी जुड़ी हैं। अंतरिक्ष में सेंटर स्थापित करना, उसे रखरखाव देना और आवश्यक ऊर्जा की व्यवस्था करना बेहद जटिल और महंगा कार्य है।

यूजीसी का विवादित ब्रांड:

गैस त्रासदी जैसी आलोचना



किसी भी कंपनी का ब्रांड अचानक हेडलाइंस में और जन-जन की जुबान पर आ जाए तो कंपनी के मार्केटिंग और ब्रांडिंग वालों की बल्ले-बल्ले हो जाती है। UGC का नाम इतने कम समय में इतनी बार पहले कब जपा गया था? बीते 10 दिनों में डिजिटल मीडिया पर UGC एक वायरल ब्रांड बन गया है। बाजार की भाषा में UGC का ब्रांड हिट है। कुछ इस तर्ज पर जैसे भोपाल में प्राणलेवा MIC गैस रिसने पर यूनियन कार्बाइड का ब्रांड हिट था। UGC के पूर्व चेयरमैन एम जगदीश कुमार को भोपाल में अभी जिस दिन पद्मश्री का शुभ समाचार मिला तब U G C ही ट्रेंड कर रहा था। वे विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों के अधिकारियों से विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल 2025 पर ही संवाद करने आए थे। यह भारत में उच्च शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक और प्रभावी सुधार की दिशा में बनाया गया एक शानदार प्लान है। इसमें UGC, AICTE और NCTE के स्थान पर तीन स्वतंत्र परिषदों के साथ एक ही आयोग के गठन की तैयारी है। इसे तैयार करने में निश्चित ही कई सालों का अभ्यास किया गया होगा और अब इस पर व्यापक संवाद हो रहा है। पूर्व चेयरमैन से UGC की ताजा कुख्याति से जुड़े प्रश्न भी आए, जिनके उत्तर नहीं ही मिलने थे। वे केवल इसी बिल पर सीमित रहे, जिसे संक्षिप्त में VBSA-2025 कहा गया है।

एक तरफ, यह विधेयक बहुत स्पष्ट संकेत करता हुआ दिखाई दिया कि सरकार भारत के उच्च शिक्षा जगत के पूरे डिजाइन को एक नए स्वरूप में ढालने के लिए अच्छी तैयारी से अग्रसर है। इसका नामकरण ही 'विकसित भारत' के नाम पर है। मतलब साफ है कि उच्च शिक्षा संस्थानों, उनकी संरचना और उनके प्रबंधन को एक बड़े लक्ष्य के लिए एक नए स्वरूप में सामने लाया जाए और वह लक्ष्य है- विकसित भारत। यह ऐसे प्रयास हैं, जो किसी भी दूरदृष्टिवान सरकार से अपेक्षित हैं। पूर्व चेयरमैन के नाते एम जगदीश कुमार इस महात्वाकांक्षी लक्ष्य के लिए जुटे हैं। निश्चित ही एक बड़ी टीम यह काम कर रही होगी। दूसरी तरफ, सुप्रीम कोर्ट में कुछ पुराने मामलों की फाइलें भी सरक रही हैं। यह विश्वविद्यालयों में घटे अप्रिय घटनाक्रमों की हैं, जो एक समय मीडिया में जातीय विवादों की सुर्खियाँ बने। विषय संवेदनशील है तो निश्चित ही सरकार का पक्ष रखने के लिए उच्च शिक्षा विभाग के 'जिम्मेदार अधिकारियों' को इसमें लगाया ही गया होगा। सरकार के लिए असुविधाजनक स्थिति की आशंकाओं से जुड़े मामलों में कड़ी और बड़ी एहतियातें बरती ही जाती हैं। UGC के मनीषियों को जो 'जातीय ज्ञान' अचानक प्राप्त हुआ है, उसकी जड़ें ऐसे ही प्रकरणों की फाइलों में फैली हैं, जिसके बारे दिशा सूत्र सुप्रीम कोर्ट से मिले होंगे। तो जिम्मेदार अधिकारियों ने 'अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए' वह ऐतिहासिक रचना की, जिसने चाय की प्याली में तूफान नहीं ला दिया, पूरी गरम केतली ही अयोध्या से सोमनाथ तक उड़ेल दी। किए कराए पर

> UGC अचानक एक 'वायरल ब्रांड' बन गया है, लेकिन गलत वजहों से। सुप्रीम कोर्ट, जातीय विवाद और एक विवादित सर्कुलर ने उसे हेडलाइंस में ला दिया। जिस वक्त उच्च शिक्षा सुधार का बड़ा प्लान सामने था, उसी समय UGC की एक चूक ने सरकार की पूरी ब्रांडिंग पर पानी फेर दिया।

पानी फिरना यही है। अब कुछ प्रश्न हैं। अव्वल तो सिस्टम में कौन क्या देख रहा है? UGC में कौन क्या देख रहा है? सुप्रीम कोर्ट में कौन क्या देख रहा है? मंत्रालय में कौन क्या देख रहा है? मंत्रालय से UGC की ओर कौन क्या देख रहा है? UGC की ओर से सुप्रीम कोर्ट में कौन क्या देख रहा है? जिसे जो भी दिखाई दे रहा है, वह अपने ऊपर किसे क्या दिखा रहा है? प्रस्तुत प्रकरण में किसे क्या दिखाई दिया और उसने उसे क्या समझा, कागजों पर क्या लिखा और अंतिम रूप से जारी करने के पहले उसने किसको क्या दिखाया और समझाया? क्या किसी की बुद्धि में नहीं आया कि इसके क्या दुष्परिणाम अगले कुछ ही घंटों में सरकार के सारे अच्छे-किए कराए पर पानी फेरने वाले हैं? या UGC में सब यह मान रहे थे कि उनके सर्कुलरों को देखता ही कौन है। आए दिन कुछ न कुछ जारी करते हैं। उच्च शिक्षा संस्थानों में ज्यादातर फाइलों में समाते रहते हैं। साफ कहें तो डस्टबिन में। क्या UGC के बुद्धिमानों ने यह सोचा था कि यह भी ऐसा ही एक रद्दी का कागज होगा? एक और महत्वपूर्ण बात है। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष है। देश भर में सामाजिक समरसता के सम्मेलन हो रहे हैं। ये आयोजन बड़े सामाजिक धरातल के हैं, जिनमें जातियों के छोटे और संकीर्ण दायरों से परे जाने की प्रेरणा है। संघ की समग्र शक्ति इसमें लगी हुई है और ये कोई हजारों की भीड़भाड़ वाले विशाल सम्मेलन नहीं हैं। सक्रिय रूप से सघन आयोजनों की इस श्रृंखला में संघ समाज के हर कोने का सीधा स्पर्श कर रहा है। इनकी चहल-पहल गाँव और कस्बों में है। बड़े शहरों के छोटे मोहल्लों के समूहों में है। प्रधानमंत्री सोमनाथ को रेखांकित कर रहे हैं और अतीत से सबक लेने का संदेश दे रहे हैं। एक ऐसा अतीत जिसमें हमारे लिए हर तरह के भेदभाव से मुक्त एक संगठित समाज के रूप में सामने आने के संकेत हैं। न हम बटेंगे, न हम कटेंगे। हमारे बटने की बहुत बड़ी कीमतें देश ने चुकाई हैं और समाज को भी गहरे आघात झेलने पड़े हैं। इसलिए सब एक बड़े कोष्ठक में स्वयं को एक रखें, न कि छोटे और मध्यम कोष्ठकों में और उस बड़े कोष्ठक का नाम है कि हम सब हिंदू हैं। हमारी एक जाति है और एक ही धर्म है। अब टाइमिंग महत्वपूर्ण है। ठीक ऐसे ही समय अचानक UGC की प्रयोगशाला में बैठे वैज्ञानिक एक नया रसायन लेकर आते हैं और वह सारे वातावरण को कसैले धुएँ से भर देता है। इस प्रभाव का रँग भी है, गँध भी है और स्वाद भी है। यह रंगहीन, गंधहीन और स्वादहीन नहीं है। सामाजिक समरसता के सम्मेलनों में हिस्सा ले रहे करोड़ों लोग एकदम से सन्नाटे में आ गए हैं। सोमनाथ से सबक ग्रहण करने की प्रक्रिया को अचानक ग्रहण लग गया है। कोई हिसाब नहीं लगा सकता कि इसमें किस-किसके हिस्से की कितनी हानि हो चुकी है और किनके चेहरे इस अचानक खुली लॉटरी से चमके हुए हैं? वे अवसरवादी जो चाहते ही हैं कि सरकार की ताकत खत्म हो और उनके अच्छे दिन लौटें। समाज बिखरे, टूटे, लड़े, भिड़े, मरे, कटे अपनी बला से। क्या UGC में या मंत्रालय में ऐसे लोग आज भी जमा हैं, जो यह रेखांकित कर रहे हैं कि सरकार किसी की भी हो, सिस्टम में वे ही हैं और वे वह करके रहेंगे, जो वे करना चाहते हैं।

माखनलाल जी ने देखा पत्रकारिता में शिक्षा का भविष्य

जनसंचार और पत्रकारिता की शिक्षा आज एक विशिष्ट अनुशासन बन चुकी है। देश में पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा पर केंद्रित चार विश्वविद्यालय कार्यरत हैं, लेकिन हमें यह जानना चाहिए कि पं. माखनलाल चतुर्वेदी ने ही सबसे पहले पत्रकारिता विद्यापीठ (विश्वविद्यालय) का सपना देखा था। उन्होंने भरतपुर(राजस्थान) में 1927 में आयोजित संपादक सम्मेलन में कहा था-"हिंदी समाचार पत्रों में कार्यालय में योग्य व्यक्तियों के प्रवेश कराने के लिए, एक पाठशाला आजकल के नए नामों की बाढ़ में से कोई शब्द चुनिए तो कहिए कि एक संपादन कला के विद्यापीठ की आवश्यक्ता है। ऐसी विद्यापीठ किसी योग्य स्थान पर बुद्धिमान, परिश्रमी, अनुभवी, संपादक-शिक्षकों द्वारा संचालित होना चाहिए। उक्त पीठ में अन्यान्य विषयों का एक प्रकांड ग्रंथ संग्रहालय होना चाहिए।" यह संयोग ही है कि उनके इस स्वप्न को 1990 में मध्यप्रदेश सरकार ने साकार करते हुए उनके नाम पर ही भोपाल में पत्रकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना की। बाद के दिनों में रायपुर में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय और जयपुर में हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। इसके साथ ही दो साल पूर्व भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) को भी डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिल चुका है। यह बात बताती है कि हमारे पुरखे किस तरह अपनी विधा को अकादमिक रुप से स्थापित होते देखना चाहते थे। माखनलाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे कवि, लेखक, पत्रकार, संपादक, स्वतंत्रता

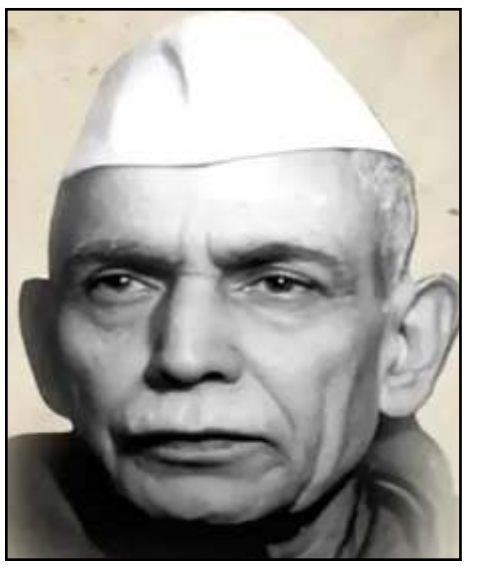

सेनानी अनेक भूमिकाओं में सामने आते हैं। वे अप्रतिम वक्ता भी थे। इसलिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उनके बारे में कहा-"हम सब लोग तो बात करते हैं, बोलना (भाषण) तो माखनलाल जी ही जानते हैं।" इतना ही नहीं राष्ट्रपिता ने कहा- "मैं बाबई जैसे छोटे स्थान पर इसलिए जा रहा हूं क्योंकि वह माखनलालजी का जन्मस्थान है। जिस भूमि ने माखनलालजी को जन्म दिया, उसी भूमि को मैं सम्मान देना चाहता हूं।" यह संयोग ही है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और माखनलाल जी पुण्यतिथि एक ही दिन 30 जनवरी को मनाई जाती है। चर्चित शायर श्री फिराक गोरखपुरी भी माखनलाल जी कलम के प्रशंसक थे। उनका कहना था कि- "उनके लेखों को पढ़ने से ऐसा मालूम होता था कि आदि-शक्ति शब्दों के रूप में अवतरित हो रही है या गंगा स्वर्ग से उतर रही है। यह शैली हिंदी में ही नहीं, भारत की दूसरी भाषाओं में भी विरले ही लोगों को नसीब हुई है। मुझ जैसे हजारों लोंगो ने अपनी भाषा और लिखने की कला माखनलाल जी से ही सीखी।" 'कर्मवीर' के संपादक कैसे संपादक थे, इसे बताने के लिए उन्होंने कहा कि – "हम फक्कड़ सपनों के स्वर्गों को लुटाने निकले हैं। किसी की फरमाइश पर जूते बनानेवाले चर्मकार नहीं हैं हम।" यह निर्भीकता ही उनकी पत्रकारिता की भावभूमि का निर्माण करती थी। स्वाधीनता आंदोलन की आँच को तेज करने में उनका कर्मवीर अग्रणी बना। कम ही लोग जानते होंगें कि दादा को इसकी कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। उनके संपादकीय कार्यालय यानी घर पर तिरसठ बार छापे पड़े, तलाशियां हुयीं। 12 बार वे जेल गए। कर्मवीर को अर्थाभाव में कई बार बंद होना पड़ा। लेखक से लेकर प्रूफ रीडर तक सबका कार्य वे स्वयं कर लेते थे। पत्रकारिता उनके लिए राष्ट्रसेवा और समाज के जागरण का ही एक माध्यम थी। भरतपुर के संपादक सम्मेलन में वे पत्रकारिता जगत का आह्वान करते हुए कहते हैं-"यदि समाचार पत्र संसार की एक बड़ी ताकत है तो उसके सिर जोखिम भी कम नहीं है।

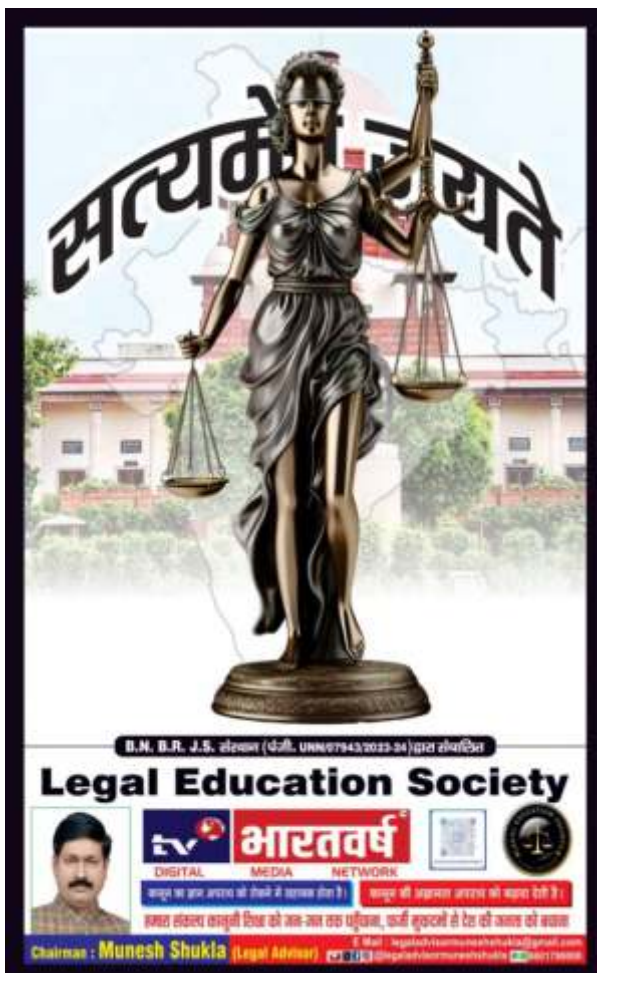

उच्च शिक्षण संस्थानों की संख्या में वृद्धि

प्राथमिक शिक्षा में भी बढ़े छात्र: वित्त मंत्री सीतारमण

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को आर्थिक समीक्षा 2025-26 पेश की। इस दौरान उन्होंने बताया कि स्कूल और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। वित्त मंत्री ने बताया कि भारत विश्व की सबसे बड़ी स्कूली शिक्षा प्रणालियों में से एक का संचालन कर रहा है।



केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को आर्थिक समीक्षा 2025-26 पेश की। इस दौरान उन्होंने बताया कि स्कूल और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। वित्त मंत्री ने बताया कि भारत विश्व की सबसे बड़ी स्कूली शिक्षा प्रणालियों में से एक का संचालन कर रहा है। इसके अंतर्गत 14.71 लाख विद्यालयों में 24.69 करोड़ विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की जा रही है। इस व्यवस्था को 1.01 करोड़ से अधिक शिक्षक सहयोग प्रदान कर रहे है। वर्ष 2030 तक प्री प्राइमरी से माध्यमिक शिक्षा तक शत प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) हासिल करने के एनईपी लक्ष्य के अनुरूप सभी स्कूल स्तरों पर स्थिर प्रगति देखी गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) की संख्या 2014-15 में 51,534 थी, जो जून 2025 में बढ़कर 70,018 हो गई। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि से यह संभव हुआ। प्रीमियर उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या में 2014-15 और 2024-25 के बीच महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। विद्यार्थियों का नामांकन भी 2021-22 में 4 करोड़ 33 लाख से बढ़कर 2022-23 में 4 करोड़ 46 लाख हो गया। उन्होंने कहा कि समीक्षा के अनुसार शिक्षा क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों में बढ़ी हुई साक्षरता दर, स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों में नामांकन में वृद्धि और व्यवसायिक शिक्षा के प्रावधान शामिल हैं। पोषण शक्ति निर्माण और समग्र शिक्षा अभियान जैसी योजनाओं ने शिक्षा तक पहुंच और समानता को बढ़ावा दिया है। सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) प्राथमिक स्तर पर 90.9, उच्च प्राथमिक स्तर कक्षा में 90.3, माध्यमिक स्तर में 78.7 तथा उच्च माध्यमिक स्तर में 58.4 है। आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि भारत में अब 23 आईआईटी, 21 आईआईएम और 20 एम्स हैं। इसके साथ जंजीबार और आबुधाबी में आईआईटी के दो अंतर्राष्ट्रीय परिसर शुरू किए गए हैं। एकेडेमिक बैंक और क्रेडिट के दायरे में 2660 संस्थानों को लाया गया है। इससे जुड़े 4 करोड़ 60 लाख से अधिक पहचान पत्र जारी किए गए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि वर्ष 2035 तक 50 प्रतिशत जीईआर का एनईपी लक्ष्य हासिल करने के लिए 153 विश्वविद्यालयों में प्रवेश और निकास की लचीली व्यवस्था तथा वर्ष में दो बार प्रवेश की सुविधा दी गई है। भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यायलों के साथ ट्विनिंग कर रहे हैं। इसके तहत वे संयुक्त और ड्यूअल डिग्री प्रदान करेंगे। 15 विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों के भारत में परिसर स्थापित करने की संभावना जताई है।

हरियाणा की लड़की पर आया दिल और कर लिया निकाह



पाकिस्तान के कई क्रिकेटर्स ऐसे हैं, जो सरहद पार भारतीय लड़की को दिल दे बैठे और फिर शादी कर ली. इनमें कई बड़े नाम शामिल हैं. आज हम उस पाकिस्तानी क्रिकेटर की लव स्टोरी लेकर आए हैं, जो हरियाणा की लड़की को दिल दे बैठा और फिर उससे निकाह कर लिया. क्रिकेट और क्रिकेटर्स की पर्सनल लाइफ में दिलचस्पी रखने वाले फैंस समझ गए होंगे कि हम यहां किसकी बात कर रहे हैं. जी हां, यह क्रिकेटर और कोई नहीं, बल्कि पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हसन अली हैं. हसन अली हरियाणा से ताल्लुक रखने वालीं सामिया आरजू के प्यार में बोल्ड हो गए थे, जिसके बाद शादी रचा ली. ये कपल दो बच्चों के माता-पिता हैं. चलिए इनकी लव स्टोरी जानते हैं. हसन अली की पत्नी सामिया आरजू एक फ्लाइट इंजीनियर हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक वह एमिरेट्स एयरलाइंस के साथ काम करती हैं. उन्होंने हरियाणा के फरीदाबाद स्थित मानव रचना यूनिवर्सिटी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री हासिल की है.



सचिन तेंदुलकर ने जब 17 साल की उम्र में इंग्लैंड के जबड़े से छीनी जीत, क्या आपको याद है मास्टर ब्लास्टर का पहला टेस्ट शतक?

पीटी उषा के पति वी. श्रीनिवासन का निधन

राज्यसभा सदस्य और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा के पति वी. श्रीनिवासन का आज शुक्रवार तड़के निधन हो गया। श्रीनिवासन केरल के कोझिकोड जिले के थिक्कोड़ी पेरुमलपुरम में अपने आवास पर गिर पड़े और उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार के सूत्रों ने बताया कि उन्हें आधी रात के आसपास असहजता महसूस हुई और अस्पताल ले जाने के बावजूद उन्होंने अंतिम सांस ली। अचानक हुए इस निधन से देश भर में खेल और राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उषा उस समय नई दिल्ली में थीं, जहां वे चल रहे संसद सत्र में भाग लेने गई थीं। वह अपने गृहनगर लौट रही हैं और जल्द ही पहुंचने की उम्मीद है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उषा से फोन पर बात की और उनके पति के निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। प्रधानमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और उषा से इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की



प्रार्थना की। श्रीनिवासन मलप्पुरम जिले के पोन्नानी के रहने वाले थे और बचपन से ही खेलों से जुड़े हुए थे। दोनों ने 1991 में शादी की थी। एक पूर्व कबड्डी खिलाड़ी, जिन्होंने बाद में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में एक अधिकारी के रूप में कार्य किया। खेल की पृष्ठभूमि और पेशेवर करियर के बावजूद, श्रीनिवासन ने अपने जीवन में एक साधारण सार्वजनिक प्रोफाइल बनाए रखा।

पूरे जिले का पनीर खाया', शिवम दुबे की अर्शदीप-बिश्नोई ने जमकर ली मौज

भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवे टी20 इंटरनेशनल मैच के लिए तिरुवनंतपुरम पहुंच चुकी है. 31 जनवरी को सूर्यकुमार यादव एंड कंपनी मुकाबला जीतकर सीरीज 4-1 से अपने नाम करना चाहेगी. इससे पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है. इस वीडियो में अर्शदीप सिंह और रवि बिश्नोई भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे के साथ मस्ती करते नजर आ रहे हैं. यह वीडियो चौथे टी20 इंटरनेशनल मैच के बाद का है, जिसमें दुबे ने तूफानी अर्धशतकीय पारी खेली थी. उनकी पारी में सात छक्के शामिल थे. उनके कई शॉट तो 90 मीटर से ज्यादा दूरी के थे.

वीडियो में अर्शदीप सिंह उनकी डाइट को लेकर मस्ती करते दिखे. अर्शदीप सिंह मजाक करते हुए कहते हैं कि शिवम दुबे इतने लंबे-लंबे छक्के कैसे मार लेते हैं. ऐसा इसलिए कर पाते हैं, क्योंकि आपको पनीर से बहुत प्यार है. अर्शदीप आगे मस्ती में कहते हैं, 'आप पूरे जिले का पनीर खा जाते हैं.' वहीं मौजूद रवि बिश्नोई तुरंत कहते हैं पालक खाया है. फैंस को इनके बीच की दोस्ती और आपसी तालमेल काफी पसंद आ रहा है. शिवम दुबे भी इस मजाक से बिल्कुल परेशान नहीं दिखे. वह अर्शदीप की बात सुनकर मुस्कराते नजर आए, जिससे साफ दिखा कि दोनों के बीच अच्छी बॉन्डिंग है. वीडियो में आगे रवि बिश्नोई दुबे से कहते हैं कि कितने ग्राम पनीर खाया आपने, जिसपर हंसते हुए अर्शदीप कहते हैं पौने चार किलो एक बार में खाया. इस पर दुबे भी हंस पड़ते हैं. विशाखापत्तनम में शिवम दुबे ने 15 गेंदों में अर्धशतक ठोका, जो टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज की तीसरी सबसे तेज फिफ्टी है. टी20 इंटरनेशनल में भारत के लिए सबसे तेज 50 रन बनाने का रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम है. उन्होंने 19 सितंबर 2007 को डरबन में इंग्लैंड के खिलाफ सिर्फ 12 गेंदों में अर्धशतक लगाया था.

सचिन-गांगुली और धोनी से लेकर सूर्यकुमार यादव तक... भारत के 10 स्टार क्रिकेटर

अंडर-19 वर्ल्ड कप आमतौर पर भारतीय क्रिकेट में सफलता की पहली सीढ़ी माना जाता है. लेकिन कई दिग्गज ऐसे भी हैं जिन्होंने इस टूर्नामेंट के बिना ही दुनिया पर राज किया. इस लिस्ट में सचिन, गांगुली, धोनी, द्रविड़, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे बड़े नाम शामिल हैं, जिन्होंने कभी अंडर-19 वर्ल्ड कप नहीं खेला. फिर भी अपनी मेहनत के दम पर टीम इंडिया के 'मैच विनर' बने. इस लेख में हम उन 10 भारतीय क्रिकेटरों के बारे में जानेंगे, जिन्होंने जूनियर लेवल पर वर्ल्ड कप न खेलने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी एक अलग पहचान बनाई और आज करोड़ों फैंस के दिलों पर राज कर रहे हैं.

क्रिकेट के 'भगवान' कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर (Sachin Tendulkar) ने नवंबर 1989 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था.उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम



रखा. इंटरनेशनल क्रिकेट में शतकों का शतक लगाने वाले सचिन साल 1988 में वर्ल्ड कप (यूथ वर्ल्ड कप) खेलने के लिए एलिजबल थे लेकिन उन्होंने नहीं खेला. सचिन ने 24 साल के करियर में 664 इंटरनेशनल मैच खेले और कई रिकॉर्ड बनाए जो आज भी अटूट हैं 'प्रिंस ऑफ कोलकाता' के नाम से मशहूर सौरव गांगुली (Sourav Ganguly) ने भारतीय टीम के लिए कई कीर्तिमान बनाए. उन्होंने अपनी कप्तानी में टीम को कई बड़ी उपलब्धियां दिलाई. बाएं हाथ के ओपनर गांगुली साल 1998 के यूथ वर्ल्ड कप मे लिए एलिजिबल थे लेकिन वह टीम इंडिया का हिस्सा नहीं थे. उन्होंने जनवरी 1992 में 19 साल की उम्र में भारत के लिए अपना वनडे डेब्यू किया और 1996 में टेस्ट डेब्यू किया.

कैदियों के बीच मारपीट, दंगों के लिए कुख्यात है यह जेल

'धरती के नर्क' में क़ैद मादुरो

मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन स्थित एक जेल में रखा गया है. यह वही जेल है जहां पहले सैम बैंकमैन-फ्राइड जैसे हाई-प्रोफाइल कैदियों को रखा गया था.

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन स्थित एक जेल में रखा गया है. उस जेल को 'धरती का नरक' कहा जाता है. यह जेल कैदियों के बीच मारपीट और दंगे के लिए कुख्यात है. जेल के अंदर ड्रग्स और फोन से लेकर हर उस चीज की तस्करी की जाती है जो प्रतिबंधित है.

कई रिपोर्टों के अनुसार, इस जेल के अंदर के हालात काफी अमानवीय हैं. यहां बंद कैदियों से जानवरों जैसा सलूक होता है. उन्हें न तो बढ़िया खाना दिया जाता है और न उन्हें अच्छी चिकित्सा सुविधाएं मिलती है. ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जब कैदियों ने जज से खुद को इस जेल से दूर रखने की गुहार लगाई है और जज ने भी अपने फैसले में जेल के हालात को गंभीर बताया है.

वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक जेल में हैं. उन पर नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद की साजिश समेत कई अपराधों का आरोप लगाया गया है.



मादुरो को जिस जेल में रखा गया है उसे 'धरती का नर्क' कहा जाता है (Photo - AP)



'भैया प्लीज़, किडनैप मत करना'

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें आप देख सकते हैं कि कचरा उठाने वाली एक छोटी ट्रॉली में कुछ मासूम बच्चियां बैठी हैं. उनके कपड़े, उनका माहौल और उनकी हालत साफ बताती है कि जिंदगी ने उन्हें बहुत पहले ही बड़ा कर दिया है. वीडियो में आप देख सकते हैं कि सामने एक व्यक्ति खड़ा है, जिसके हाथ में चॉकलेट है.

भारतीय महिला ने शेयर किया वीडियो

बिंदास और बेखौफ है सिंगापुर की नाइटलाइफ

सोशल मीडिया पर शेयर हुए एक वीडियो ने एक बार फिर उस बहस को सामने ला दिया है, जो जानी-पहचानी भी है और सोचने पर मजबूर करने वाली भी. सिंगापुर में रहने वाली एक भारतीय महिला ने रात 3 बजे अकेले घर लौटते हुए अपना वीडियो रिकॉर्ड किया. यह न तो कोई स्टंट था और न ही ध्यान खींचने की कोशिश, बल्कि एक साधारण सा अनुभव था. वीडियो में खाली सड़कें, सन्नाटा और सबसे अहम बात डर का बिल्कुल न होना साफ दिखाई देता है. यह वीडियो कृतिका जैन ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया था. क्लिप में वह तड़के तीन बजे घर जाती नजर आती हैं. न उनके कदमों में जल्दबाजी है, न बार-बार पीछे देखने की बेचैनी और न ही चेहरे पर कोई तनाव.




सरकारी जॉब छोड़ हेलीकॉप्टर कंपनी की शुरुआत की

ज़िद ने दी उड़ान और मेहनत ने दी पहचान

आज के समय में जब युवा नौकर की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं, ऐसे में कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपना सपना पूरा करने के साथ हू दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं. ऐसी ही कहानी है राजस्थान के अलवर के रहने वाले मनीष कुमार सुनारी की, जिन्होंने हेलीकॉप्टर कंपनी की शुरुआत कर न सिर्फ देश के एविएशन सेक्टर में नई पहचान बनाई है बल्कि 80 लोगों को नौकरी भी दी है.

मनीष की यह सफलता उन युवाओं के लिए मिसाल है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने का जज्बा रखते हैं. इस समय वह 8 हेलिकॉप्टर और 2 प्लेन के मालिक हैं. बता दें कि मनीष कुमार सुनारी बचपन से ही आसमान में उड़ान भरने की चाह रखते थे. उन्हें गेलीकॉप्टर और विमानों में खास रुचि थी.

पढ़ाई करते समय ही उन्होंने ये तय कर लिया था कि वह केवल नौकरी नहीं करेंगे बल्कि कुछ ऐसा करेंगे जिससे देश और सामाज को फायदा मिले. शुरुआत में उन्हें आर्थिक दिक्कतों, संसाधनों की कमी और अनुभव की कभी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी. मनीष की कड़ी मेहनत और सही प्लानिंग ने उन्हें आगे बढ़ने में मदद की और खुद की हेलीकॉप्टर कंपनी की नींव रखी.



मनीष कुमार सुनारी ने मेहनत के दम पर अपने सपने पूरे किए. (Photo: rajasthan tak)

Dhurandhar 2 का पहला पोस्टर, रिलीज़ डेट का खुलासा

लोग धुरंधर पार्ट 2 की रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। रणवीर सिंह की फिल्म के नेटफ्लिक्स पर आने के बाद से सीक्वल का इंतज़ार और भी बढ़ गया है। इन सबके बीच, अफवाहें हैं कि धुरंधर 2 का टीज़र कल, यानी 31 जनवरी, 2026 को रिलीज़ होगा। रणवीर सिंह की फिल्म को लेकर बढ़ते ट्रेंड्स के बीच, धुरंधर का एक सीक्वेंस ऑनलाइन वायरल हो रहा है, जो असल में सीक्वल की एक झलक है, जिसे फिल्ममेकर आदित्य धर ने धुरंधर के आखिर में शेयर किया था। X यूज़र्स का मानना है कि धुरंधर 2 के टीज़र में इस वीडियो के कई सीक्वेंस होंगे। धुरंधर 2, 19 मार्च 2026 को ईद 2026 के मौके पर रिलीज़ होगी। यह फ़िल्म एक साथ पाँच भाषाओं में रिलीज़ होगी: हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम, जिससे यह सीक्वल एक पैन-इंडिया फ़िल्म बन जाएगी। ओटीटी पर रिलीज हुई 'धुरंधर' मचा गया बवाल रणवीर सिंह की फिल्म से हटाए गए 10 मिनट के सीन स्ट्रीमिंग में किए गए बदलावों से सोशल मीडिया यूजर्स नाराज हैं ये फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी नेटफ्लिक्स पर 'धुरंधर' देखने के बाद फैंस ने दावा किया कि फिल्म को 10 मिनट छोटा कर दिया गया है और गाली वाले डायलॉग्स को सेंसर कर दिया गया है फैंस ने कहा कि वे अनसेंसर्ड वर्जन देखना चाहते थे



कुछ लोगों ने 18+ प्लेटफॉर्म पर एडल्ट फिल्म को सेंसर करने के लॉजिक पर सवाल उठाया

धर्मांतरण के जाल को काटती नजर आईं उल्का गुप्ता और अदिति भाटिया।



साल 2023 में बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने और राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाली फिल्म 'द केरल स्टोरी' का आधिकारिक सीक्वल 'द केरल स्टोरी 2 - गोज़ बियॉन्ड' का टीज़र शुक्रवार को जारी कर दिया गया। इस बार कहानी केवल केरल तक सीमित नहीं है, जैसा कि इसके टाइटल से साफ है, यह सीमाओं को पार कर धर्मांतरण के एक व्यापक और भयावह एजेंडे पर प्रहार करती है। टीज़र में तीन हिंदू लड़कियों की आगे की कहानी दिखाई गई है, जिनका किरदार उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया ने निभाया है। उनके किरदार तीन मुस्लिम लड़कों से प्यार करते हैं, और उनके रिश्ते बाद में धार्मिक धर्मांतरण के एक एजेंडे का खुलासा करते हैं। टीज़र का माहौल तनावपूर्ण और जोशीला है, जो पहचान और विश्वास से जुड़े संघर्षों की ओर इशारा करता है। यह दिखाता है कि कैसे प्यार को एक हथियार के रूप में दिखाया गया है, जिससे पहचान खत्म होती है और एक ऐसा माहौल बनता है जहाँ धार्मिक विश्वास एक युद्ध का मैदान बन जाता है। टीज़र का एक मुख्य संदेश यह है कि तीनों महिलाएँ अब निष्क्रिय शिकार नहीं रहतीं। इसके बजाय, वे धोखे के खिलाफ खड़ी होती हैं। टीज़र इस बात पर ज़ोर देता है कि वे अब और परिणाम भुगतने से इनकार करती हैं और वापस लड़ने का फैसला करती हैं।

भूमि रजिस्ट्री में बदलाव

योगी सरकार ने लागू किया आधार अनिवार्य नियम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार संपत्ति पंजीकरण व्यवस्था को पारदर्शी, सुरक्षित और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठा रही है।



उत्तर प्रदेश में जमीन खरीद और उससे जुड़े फ्रॉड को रोकने के लिए योगी सरकार बना कदम उठाने जा रही है। अब बिना आधार कार्ड वेरिफिकेशन के जमीन की रजिस्ट्री नहीं हो पाएगी। इसके जरिए यूपी सरकार जमीन विवाद से जुड़े मामलों पर रोक लगाएगी। यूपी में 1 फरवरी से जमीनों की रजिस्ट्री आधार वेरिफिकेशन के बाद ही होगी। साथ ही जमीनों से जुड़े विवादों में पहले से कहीं ज्यादा कमी आएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार संपत्ति पंजीकरण व्यवस्था को पारदर्शी, सुरक्षित और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठा रही है। इसके तहत प्रदेश में आधार आधारित प्रमाणीकरण व्यवस्था को लागू किया जा रहा है, जिससे फर्जी रजिस्ट्रियों और फ्रॉड व्यक्तियों के जरिए होने वाले भूमि घोटालों पर प्रभावी रोक लग सकेगी। प्रदेश के स्टांप एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने विभाग से संबंधित दस्तावेजों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में संपत्ति पंजीकरण प्रणाली में आधार ऑथेंटिकेशन व्यवस्था को लागू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में 28 अगस्त 2025 को हुई स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग की समीक्षा बैठक में फर्जी रजिस्ट्रियों पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए थे। इन्हीं निर्देशों के क्रम में आवश्यक अधिसूचनाएं जारी की गई हैं। उन्होंने बताया कि अधिसूचना 02 अगस्त 2024 के माध्यम से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की धारा–69 के अंतर्गत शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्तर प्रदेश ऑनलाइन दस्तावेज रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 2024 को प्रवृत्त किया गया है। इसके अंतर्गत आधार संख्या धारकों की पहचान ई-केवाईसी, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और ई-हस्ताक्षर के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप में स्थापित की जाएगी। विलेख (डीड) पंजीकरण के दौरान निष्पादकों, पक्षकारों और गवाहों की पहचान सत्यापन के लिए आधार ऑथेंटिकेशन व्यवस्था 1 फरवरी 2026 से प्रदेश के सभी उप निबंधक कार्यालयों में लागू कर दी जाएगी। इस संबंध में समस्त उप निबंधक कार्यालयों को आवश्यक दिशा-



दिल्ली-NCR में अगले तीन दिनों तक बारिश की संभावना,

दिल्ली एनसीआर में दो दिन बारिश और बिजली गिरने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है. हिमालय क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के कारण फिर से मौसम बदलेगा. इसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है. दिल्ली एनसीआर में बारिश के दो दौर के बाद सर्दी बढ़ गई है. आसमान में छाए बादलों के बीच सुबह और शाम के वक्त सर्दी बढ़ गई है. शीत लहर के कारण गलन और कंपकंपाहट बढ़ गई है. 30 जनवरी को भी आसमान में बादल छाए रहने के साथ धुंध बने रहने के आसार हैं. जबकि 31 जनवरी से मौसम फिर पलटने वाला है और 3 दिन बारिश होने के आसार हैं. ऐसे में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा समेत पूरे उत्तर भारत में अभी मौसम खुलने के आसार नहीं है. ये 23 जनवरी और 27 जनवरी के बाद तीसरा मौका होगा, जब दिल्ली एनसीआर में बरसात आएगी. इन दो दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. हालांकि एक फरवरी से ठंड में थोड़ी राहत मिलेगी और न्यूनतम तापमान 11 से 13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा.

31 जनवरी से तीन दिन बारिश के संकेत

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 31 जनवरी की दोपहर से घने बादल छाएंगे. कुछ स्थानों पर मध्यम से घना कोहरा देखने को मिलेगा. बिजली कड़कने, बादल गरजने के साथ सुबह से शाम तक दो-तीन बार बारिश का दौर देखने को मिलेगा.

‘बापू’ के आदर्शों को आत्मसात कर

विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दें :

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात कर समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान देने का आह्वान किया। योगी आदित्यनाथ ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन।

’’ उन्होंने लिखा, ‘‘श्रद्धेय ‘बापू’ का सत्यनिष्ठ आचरण, अहिंसा की उनकी अडिग साधना और मानवता के प्रति अनन्य करुणा संपूर्ण विश्व को सदैव आलोकित करती रहेंगी।’’मुख्यमंत्री ने आह्वान किया, ‘‘आइए,



बापू के आदर्शों को आत्मसात कर समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दें।’’ महात्मा गांधी की 1948 में आज ही के दिन नाथूराम गोडसे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

यूपी में पुराने रजिस्ट्री दस्तावेजों का डिजिटाइजेशन अंतिम चरण में, योगी कैबिनेट ने 6 माह बढ़ाया समय



यूपी में उप निबंधक कार्यालयों में पंजीकृत पुराने दस्तावेजों के डिजिटाइजेशन को लेकर योगी सरकार ने अहम फैसला लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में वर्ष 2002 से 2017 तक पंजीकृत विलेखों की स्कैनिंग और इंडेक्सिंग की परियोजना अवधि को अगले 6 माह तक बढ़ाने को मंजूरी दे दी गई है। यह परियोजना पहले ही अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है और इसके लिए सरकार ने किसी अतिरिक्त बजट की आवश्यकता नहीं बताई है। इस योजना को पहले वर्ष 2022 में 95 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई थी। बाद में व्यावहारिक कारणों से इसमें देरी होने पर जुलाई 2024 में परियोजना की अवधि बढ़ाते हुए कुल लागत 123.62 करोड़ रुपये कर दी गई थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत तक इस योजना पर 109.05 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं और शेष कार्य उपलब्ध बजट में ही पूरा कर लिया जाएगा।

बांग्लादेश से विस्थापित 99 हिंदू परिवारों को कहां बसाया जाएगा? CM योगी ने तैयार किया प्लान

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से विस्थापित होकर आए हिंदू परिवारों के पुनर्वास को मंजूरी दे दी है. यूपी कैबिनेट की बैठक में इसे मंजूरी दी गई. यूपी सरकार के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित 99 हिंदू परिवारों के पुनर्वास को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है. ये हिंदू परिवार अभी मेरठ के मवाना इलाके में अवैध रूप से रह रहे हैं. कैबिनेट मीटिंग के बाद वित्त और संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि ये परिवार अभी मवाना के नंगला गोसाई गांव में रह रहे हैं, उन्हें अब नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) के आदेशों के कारण दूसरी जगह बसाया जाएगा.

लखनऊ की KGMU में मजारों को हटाने का मामला क्या है जिस पर गरमा गई है सियासत

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) में मजारों का नोटिस देने का मामला गरमाता जा रहा है. जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने चिट्ठी लिखकर इन मजारों के ध्वस्तीरण के नोटस को गलत बताया है. वहीं केजीएमयू प्रशासन का दावा है कि जिन मजारों का जिक्र मौलाना मदनी कर रहे हैं, उन्हें नोटिस ही नहीं दिया गया है. दरअसल, लखनऊ के केजीएमयू के अंदर कुल आठ मजारें/दरगाहें हैं. इन आठ में से छह को केजीएमयू ने अवैध बताते हुए 15 दिन का नोटिस दिया है. केजीएमयू प्रशासन का कहना है कि शाहमीना की मजार और हरमैन शाह की दरगाह को किसी तरह का नोटिस नहीं जारी किया गया है. इनके अलावा जो छह अन्य मजारें हैं, नोटिस उनके लिए है.

केजीएमयू प्रशासन के दावों को मजारों से जुड़े लोग खारिज करते दिखाई दे रहे हैं. शाहमीना की मजार के व्यवस्थापक नासिर मिनाई ने कहा कि मजारों को दिया



नोटिस ही अवैध है. मजारों/दरगाहों के बाकायदा नजूल में दर्ज कागजात हैं. ऐसे में इन कागजों के आधार पर केजीएमयू के नोटिस को कोर्ट में चुनौती दी जाएगी. मजारों के व्यवस्थापक के दावे पर केजीएमयू के प्रवक्ता केके सिंह ने कहा कि हम ससम्मान मजारों को हटाने के पक्ष में हैं. नोटिस की अवधि पूरी होने के बाद कागज लेकर मजार संचालक व्यक्तिगत तौर पर पेश हों. फिर मामला रजिस्ट्रार के यहां जाएगा. रजिस्ट्रार की जांच में मजारें अवैध निकलीं तो कब्र को आसपास की किसी कब्रिस्तान में शिफ्ट करके बाकी की इमारत तोड़ी जाएगी.

तीन वर्षीय बच्चे की जान बचाई, दिमाग में फंसी गोली बाहर निकाली गई



केजीएमयू के डॉक्टरों ने बेहद जटिल न्यूरो सर्जरी कर तीन साल की बच्ची की जान बचाई। बच्ची के दिमाग में फंसी गोली लगातार अपनी जगह बदल रही थी, जिससे जान का खतरा बना हुआ था। डॉक्टरों ने अत्याधुनिक तकनीक की मदद से सर्जरी कर गोली को सुरक्षित निकाल लिया। फिलहाल बच्ची खतरे से बाहर है और तेजी से स्वस्थ हो रही है।

न्यूरो सर्जरी विभाग के डॉ. अंकुर बजाज ने बताया कि 16 दिसंबर 2025 की शाम करीब चार बजे लखनऊ में बच्ची के सिर के बाएं हिस्से (फ्रंटल बोन) में गोली लगी थी। घायल होने के करीब साढ़े चार घंटे बाद किए गए सीटी स्कैन में गोली दिमाग के ऊपरी हिस्से में दिखाई दी। अगले दिन जब बच्ची को केजीएमयू लाया गया और दोबारा सीटी स्कैन किया गया तो पता चला कि गोली खिसककर दिमाग के गहरे हिस्से (बेसल एरिया) तक पहुंच चुकी है। डॉ. बजाज के अनुसार, यह स्थिति बेहद खतरनाक थी, क्योंकि गोली के खिसकने से दिमाग की अहम नसों और रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचने की आशंका थी। इसी वजह से सीटी एंजियोग्राफी करवाई गई, लेकिन करीब 25 घंटे बाद हुई जांच में गोली फिर अपनी जगह बदलकर दिमाग के पिछले हिस्से, ऑक्सिपिटल एरिया में पहुंच चुकी थी। इससे यह साफ हो गया कि मामला 'वॉन्डरिंग बुलेट' का है, जो बेहद दुर्लभ माना जाता है।

सर्जरी के दौरान सबसे बड़ी चुनौती गोली की लगातार बदलती स्थिति थी। डॉक्टरों ने इंट्राऑपरेटिव फ्लोरोस्कोपी तकनीक का इस्तेमाल कर रियल टाइम में गोली की लोकेशन देखी और न्यूनतम नुकसान के साथ उसे बाहर निकाल लिया। सर्जरी के बाद बच्ची को पीडियाट्रिक आईसीयू में रखा गया, जहां वह पहले से अधिक सजग है और बेहतर महसूस कर रही है। यह सर्जरी डॉ. अंकुर बजाज ने अपनी टीम डॉ. अनूप के. सिंह, डॉ. अंकन बसु और डॉ. श्रद्धा के साथ विभागाध्यक्ष प्रो. बी.के. ओझा के मार्गदर्शन में की। एनेस्थीसिया की जिम्मेदारी डॉ. मोनिका कोहली और डॉ. नीलकमल ने संभाली। कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने पूरी टीम को बधाई दी है।



स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- 40 दिन में गाय को दें राज्यमाता का दर्जा, सरकार को दिया ये अल्टीमेटम

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि 40 दिन में गाय को राज्यमाता का दर्जा दीजिए। बीफ निर्यात पर रोक लगाइए। 10 मार्च को 40 दिन बीतेंगे। यदि ऐसा नहीं हुआ तो 11 मार्च को लखनऊ में सभी संत इकट्ठा होंगे और कड़ा विरोध जताएंगे। शंकराचार्य ने कहा, यूपी सरकार की पुलिस व अन्य अधिकारियों ने हमसे शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा था, जो हमने उपलब्ध करा दिया। अब हम प्रदेश सरकार को अल्टीमेटम देते हैं कि 40 दिन के अंदर वो खुद को सिद्ध करें। यदि ऐसा नहीं हुआ तो 40 दिनों के बाद वह लखनऊ में सभी संत समाज के साथ पहुंचेंगे। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि सनातनी हिंदुओं पर डंडा बरसाना बंद कीजिए। देश से कुल बीफ का निर्यात का 40 फीसदी सिर्फ उत्तर प्रदेश का है। देश में पशुओं की संख्या में भैंस गाय की तुलना में 75 फीसदी है, बाकी जगह गाय की संख्या ज्यादा है। कुर्सी के लोभ में यह पाप आप कर रहे हैं। निर्यात को तत्काल बंद कीजिए। तीखा हमला बोलते हुए कहा कि माफी मांगने का तरीका होता है। प्रशासन लालच दे रहा थे कि आप नहा लीजिए आपके ऊपर फूल बरसाएंगे। मैंने मना कर दिया।



यूजीसी के नए नियमों के विरोध में प्रदर्शन

उन्नाव/हसनगंज। यूजीसी के नए नियमों के विरोध में बृहस्पतिवार को शहर और हसनगंज में प्रदर्शन किया गया। शहर में अधिवक्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजकर वापस लेने की मांग की। हसनगंज में क्षत्रिय महासभा के बैनर तले सवर्ण समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया।

शहर में बार एसोसिएशन अध्यक्ष गिरीश कुमार मिश्र के साथ सैकड़ों अधिवक्ता नारेबाजी करते हुए कलक्ट्रेट पहुंचे। प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। कहा कि यूजीसी के नए नियम विघटनकारी हैं जो छात्रों को बांटने का काम करेंगे। इसको तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। ज्ञापन देने वालों में अभिनव मिश्रा, रवींद्र कुमार मिश्र, उदय प्रताप सिसौदिया, आदित्य त्रिपाठी, सूरज त्रिवेदी, अंशुल सिंह आदि शामिल रहे। उधर, हसनगंज कस्बा स्थित संतोषी माता मंदिर परिसर में दोपहर को क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष बृजेंद्र सिंह उर्फ दीपू सिंह के नेतृत्व में यूजीसी के नए नियमों का विरोध किया। इसके बाद पैदल मार्च निकालते हुए तहसील पहुंचे। एसडीएम को राष्ट्रपति के नाम संबोधित सात सूत्री ज्ञापन सौंपा। मिलन पांडेय, आशीष मिश्र अन्नू, ओमजी तिवारी, राकेश सिंह, नवीन सिंह, अरुण दीक्षित, बिपिन सिंह, अजीत, विकास, राजन शर्मा, कामेश दीक्षित और आनंद पंडित भी मौजूद रहे।

अगस्त क्लब को 64 रनों से हराकर फाइनल में पहुंची कोल्टस टीम

उन्नाव। जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित अंडर-16 डॉ. सुखदेव प्रसाद गुप्ता जनपदीय क्रिकेट लीग में बृहस्पतिवार को रामकली स्टेडियम शुक्लागंज में चौथा मैच अगस्त क्लब और कोल्ट्स के बीच खेला गया। इसमें कोल्टस क्लब ने अगस्त को 64 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

कोल्ट्स क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 30 ओवरों में 6 विकेट खोकर 193 रन बनाए। हर्षित ने 49, कप्तान अल्तमश ने 44 तथा साहिल वर्मा ने 22 रनों का योगदान दिया। अगस्त क्लब की ओर से गेंदबाजी करते हुए अमन कुमार ने तीन तथा विकास, अनिमेष ने एक-एक विकेट हासिल किया।





मेरा धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है; वीडियो बना युवक ने दी जान, परिजनों का सड़क पर जोरदार हंगामा

मेरा धर्म परिवर्तन किया जा रहा है, मैं अपने धर्म के रस्ते चलूंगा...पूरे देश में इस तरह का काम हो रहा है। बोलकर पनकी रतनपुर में युवक ने गुरुवार सुसाइड कर लिया। हालांकि पहले परिजनों ने अंधविश्वास के चलते सुसाइड करने की बात कही थी, लेकिन युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर अब धर्म परिवर्तन की चर्चाएं होने लगी हैं। परिजनों ने शव सड़क पर रखकर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया। रतनपुर निवासी रोहित सिंह ने गुरुवार को फंदा लगाकर जान दे दी थी। परिजनों ने बताया था कि युवक की पिछले एक सप्ताह से मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह मकान बेंच कर कहीं और रहने की बात कर रहा था। वहीं घटना के दूसरे दिन मृतक युवक का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वो बोल रहा है कि मेरा धर्म परिवर्तन किया जा रहा है। मैं अपने धर्म के रस्ते चलूंगा...पूरे देश में इस तरह का काम हो रहा है। युवक जबरन धर्म परिवर्तन कराए जाने की बात करता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो में उसने किसी का नाम नहीं लिया।

मृतक की बहन निशा सिंह ने बताया कि भाई रोहित 26 जनवरी को छोटी बहन के घर लखनऊ गया था। तब उन्नाव से लखनऊ के चार बाग तक काल रिसीव नहीं हुई थी। बहन के घर पहुंच कर उसने रोते हुए जबरन धर्म परिवर्तन कराए जाने की बात बताई थी। उसने बताया था कि चार लोग ट्रेन में मिले थे, जिन्होंने उसके साथ मारपीट की और चार बाग में एक मजार पर भी ले गए थे।परिजनों ने मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद परिजनों ने शव को घर के पास चौराहे पर रखकर कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा करना शुरू कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को शांत कराने के प्रयास में जुटी है। पनकी थाना प्रभारी मनोज भदौरिया ने बताया कि युवक का वीडियो सामने आया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. टीके लहरी का कुशलक्षेम जानने पहुंचे कुलपति, महापौर; बीएचयू एसएसबी में की बातचीत



आईएमएस बीएचयू के कार्डियोथोरेसिक सर्जन पद्मश्री डॉ. टीके लहरी की सेहत में धीरे धीरे सुधार हो रहा है। बृहस्पतिवार को वह आईसीयू में बेड से उतरकर कुर्सी पर बैठे रहे। दोपहर में उनका हाल जानने कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक (एसएसबी) पहुंचे। यहां उन्होंने कार्डियोथोरेसिक आईसीयू में बेड नंबर दो पर भर्ती डॉ. लहरी का इलाज करने वाले चिकित्सकों से भी बातचीत की। पद्मश्री डॉ. लहरी की तबीयत 15 दिन से खराब चल रही थी। वह घर पर बिस्तर पर पड़े रहे। अमर उजाला में बुधवार को यह खबर छपने के बाद मंगलवार की शाम को डॉ. लहरी को एसएसबी के पांचवें तल पर कार्डियोथोरेसिक आईसीयू में भर्ती करवाया गया।

‘बापू’ के आदर्शों को आत्मसात कर विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दें : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने आह्वान किया, ‘‘आइए, बापू के आदर्शों को आत्मसात कर समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दें।’’ महात्मा गांधी की 1948 में आज ही के दिन नाथूराम गोडसे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात कर समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान देने का आह्वान किया। योगी आदित्यनाथ ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन।’’ उन्होंने लिखा, ‘‘श्रद्धेय ‘बापू’ का सत्यनिष्ठ आचरण, अहिंसा की उनकी अडिग साधना और मानवता के प्रति अनन्य करुणा संपूर्ण विश्व को सदैव आलोकित करती रहेंगी।’’ मुख्यमंत्री ने आह्वान किया, ‘‘आइए, बापू के आदर्शों को आत्मसात कर समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दें।’’ महात्मा गांधी की 1948 में आज ही के दिन नाथूराम गोडसे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में कहा कि महात्मा गांधी का जीवन संघर्ष, त्याग और नैतिक मूल्यों की अनुपम मिसाल है। उन्होंने कहा कि बापू ने अपने विचारों और कर्मों से यह सिद्ध किया कि सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर भी बड़े से बड़ा परिवर्तन संभव है। उनका जीवन आज भी सामाजिक सद्भाव, आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में जब दुनिया अनेक सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक चुनौतियों का सामना कर रही है, तब गांधीजी के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। उन्होंने देशवासियों से आह्वान किया कि वे बापू के आदर्शों को केवल स्मरण तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने आचरण, व्यवहार और कार्यशैली में उतारें।योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब समाज का हर वर्ग साथ लेकर आगे बढ़े। न्याय, समान अवसर, पारदर्शिता और करुणा जैसे मूल्यों को अपनाकर ही एक सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से आग्रह किया कि वे महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र सेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाएं। गौरतलब है कि महात्मा गांधी की 30 जनवरी 1948 को नई दिल्ली में नाथूराम गोडसे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह दिन देश में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर पूरे देश में राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है और उनके आदर्शों को याद करते हुए उन्हें आत्मसात करने का संकल्प लिया जाता है।महात्मा गांधी का जीवन और दर्शन आज भी भारत की आत्मा में रचा-बसा है। उनकी शिक्षाएं आने वाली पीढ़ियों को सत्य, अहिंसा और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती रहेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार भी गांधीजी के विचारों से प्रेरणा लेकर शासन और विकास के कार्यों को आगे बढ़ा रही है। स्वच्छता अभियान, ग्राम विकास, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं और गरीब व वंचित वर्गों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाएं उसी सोच का प्रतिबिंब हैं, जिसमें अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का संकल्प निहित है। उन्होंने कहा कि बापू के सपनों का भारत वही है, जहां हर नागरिक को सम्मान, सुरक्षा और अवसर मिले, और सरकार का दायित्व है कि वह इस दिशा में निरंतर कार्य करती रहे।



गांधीवादी विचारधारा से ही नकारात्मक, हिंसक ताकतों को हराया जा सकता है

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उनको नमन करते हुए कहा कि गांधीवादी विचारधारा को सक्रिय करने से ही नकारात्मक-हिंसक ताकतों को हराया जा सकता है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच ‘‘एक्स’’ पर एक पोस्ट में कहा ‘‘गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन!’’ इसी पोस्ट में उन्होंने आगे कहा ‘‘गांधी जी के सत्य पर अडिग विश्वास; मानवता के स्नेह सूत्र सहिष्णुता, अहिंसा, दया, करूणा और सौहार्द के सिद्धांतोंवाली अमर गांधीवादी विचारधारा से ही उन नकारात्मक-हिंसक ताकतों को बेनक़ाब और परास्त किया जा सकता है जो अभी भी नये मुखौटे लगाकर हमारे देश और समाज के लिए घातक बनी हुई हैं।’’ महात्मा गांधी की 1948 में आज ही के दिन नाथूराम गोडसे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

माघी पूर्णिमा पर स्नान के लिए शंकराचार्य को मनाने में जुटे अफसर

ज्योतिर्मठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज माघी पूर्णिमा पर संगम में डुबकी लगा सकते हैं। लखनऊ के कुछ उच्चाधिकारियों ने शंकराचार्य से संपर्क कर उन्हें मनाने की कोशिश शुरू कर दी है। ज्योतिर्मठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज माघी पूर्णिमा पर संगम में डुबकी लगा सकते हैं। लखनऊ के कुछ उच्चाधिकारियों ने शंकराचार्य से संपर्क कर उन्हें मनाने की कोशिश शुरू कर दी है। अधिकारी शंकराचार्य से माघी पूर्णिमा पर संगम में स्नान के लिए आग्रह कर रहे हैं। शंकराचार्य ने स्नान करने के लिए कई शर्तें भी अधिकारियों के सामने रख दी हैं। जिसमें मौनी अमावस्या को अभद्रता करने वाले अधिकारी लिखित में माफी मांगें, बटुकों, ब्राह्मणों, साधु-संतों और वृद्धों की पिटाई करने वाले पुलिस कर्मियों और अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई के साथ एफआईआर हो और चारों शंकराचार्यों के स्नान के लिए प्रोटोकॉल बने समेत ये चार मांग की हैं। यह सभी चार मांगें मानने पर ही शंकराचार्य ने स्नान की बात कही है। इसकी पुष्टि शंकराचार्य के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगीराज सरकार ने की है।

CBN ने लखनऊ में करीब दो करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन जब्त की



सीबीएन की उत्तर प्रदेश इकाई के उपायुक्त प्रवीण बाली ने ‘पीटीआई-भाषा’ को बताया कि यह बरामदगी बख्शी का तालाब तहसील के लखनऊ-सीतापुर रोड पर स्थित इंतौजा टोल प्लाजा पर चलाए गए एक अभियान के दौरान की गई। अधिकारी ने बताया कि यह अभियान विशिष्ट सूचना के आधार पर चलाया गया था। उन्होंने बताया कि संदिग्ध के लखनऊ में हेरोइन पहुंचाने के लिए जाने की सूचना मिली थी जिसके बाद सीबीएन की एक टीम ने उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) की बस में यात्रा कर रहे एक व्यक्ति को रोका। तलाशी लेने पर उसके पास से 0.280 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई। उन्होंने बताया कि जब्त की गई प्रतिबंधित सामग्री का अनुमानित मूल्य लगभग दो करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी को मादक औषधि एवं मनोरोगी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है। केंद्रीय मादक पदार्थ ब्यूरो (सीबीएन) ने शुक्रवार को एक कथित तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 280 ग्राम हेरोइन जब्त की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जब्त हेरोइन की बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 1.96 करोड़ रुपये है।

